जुलाई में ही इस पर काम शुरू कर दिया। अब माध्यमिक शिक्षा परिषद ने

मुख्य रूप से चीनी के अधिक सेवन के कारण है, जो अक्सर स्कूल के

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की साख बढ़ी

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

तिर्वा। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज ने मंगलवार को एक और उपलब्धि अपने नाम की है। प्रदेश सरकार ने कॉलेज को कानपुर एवं बरेली मंडल में 25 करोड़ रुपये तक की निर्माण लागत वाली परियोजनाओं के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट के लिए चयनित किया है। इस निर्णय से कॉलेज की शैक्षणिक व तकनीकी साख में वृद्धि हुई है। प्रदेश स्तर पर उसकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है।

इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग और ईपीसी मिशन, नियोजन विभाग ने यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संस्थान को सौंपी है। चयन के बाद कॉलेज बरेली और कानपुर मंडल की विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच और निरीक्षण करेगा।

संस्थान की प्रयोगशालाएं उच्च स्तरीय उपकरणों और नवीनतम तकनीक से सुसज्जित हैं। यहां उपलब्ध एक्रेडिटेड उपकरणों की सहायता से निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्रियों की जांच व परीक्षण उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किए

25 करोड़ की परियोजनाओं के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट के लिए चयनित

जा सकेंगे। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सरकारी परियोजनाओं में बेहतर गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग हो और कार्य समय पर व मानक स्तर पर पूरे किए जा सकें। थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल ऑडिट कार्य के लिए संस्थान के निर्माण प्रभारी एवं सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, सहायक आचार्य ऋषभ कश्यप को नोडल प्रभारी नियुक्त किया गया है।

वहीं, ऋषभ कश्यप ने कहा कि निदेशक के मार्गदर्शन एवं संस्थान की आधुनिक प्रयोगशालाओं के सहयोग से राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज को तकनीकी संस्थानों में एक नया आयाम स्थापित करेगा।

चयन से कॉलेज को प्रदेश स्तर पर नई पहचान मिली है और क्षेत्रीय विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में भी उसकी अहम भूमिका होगी। यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है, बल्कि जनपद के लिए भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

Scanned with CamScanner